सम्पर्क ऑनलाइन कोर्स कुमाऊँ विशवविद्यालय की एक सामाजिक पहल

ऐतिहासिक सांस्कृतिक पर्यटन में आत्मनिर्भरता

इतिहास की पढाई आज सिर्फ रिसर्च या अध्यापन तक ही सीमित नही रही है, इसका दायरा काफी फैल चुका है ,यही कारण है कि इसमें करियर की सम्भावनाये भी काफी विस्तार ले चुकी है ,कहा जाता है जो इतिहास नही जानता वह खुद को भी नही जानता यानी इतिहास आपको पहचान देता है ,यह पहचान जीवन में करियर से भी है इतिहास को पढ कर और समझ कर करियर की दुनिया मे अलग–अलग दिशाओं में छलॉगे लगायी जा सकती है।

आज देश व विदेश में ऐतिकासिक धरोहरो को वचाने का काम तेजी से चल रहा है धरोहरो को वचाने के इस काम में ऐसे विशेषज्ञों की जरूरत पड़ रही है जिन्होने इतिहास की पढ़ाई की है जिनके पास विरासत को संजोने और अगली पीढ़ी को सुरिक्षत ढ़ग से सुपुर्द करने की कला का ज्ञान हो टूरिज्म उद्योग का राज्य व पूरे देश में विस्तार व उन्नति इतिहास के छात्रो के लिए सुनहरा अवसर ले कर आयी है टूरिस्ट गाइड टूर ऑपरेटर या टूर मैनेजर का काम उपलब्ध है यहा निजी टूर ऐजंसी भी चलाई जा सकती है टूरिज्म में हॉस्पिटेलिटी मैनेजमैन्ट (होम स्टे) काफी फल–फूल रहा है अतिथियो का स्वागत सत्कार तभी अच्छी तरह किया जा सकता है जब उनकी संस्कृति से परिचय हो ।

उद्देशय

1. ऐतिहासिक धरोहरो का संरक्षण
2. पाडुलिपि संरक्षण
3. ऐतिहासिक स्थानों का पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकास
4. एडवेंचर टूरिज्म का विकास
5. पलायन को रोकना
6. आत्मनिर्भर रोजगार प्राप्त करना

कोर्स की अवधी– 6 दिन

पंजीकरण – निशुल्क

लर्निंग आउटकम – पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार के आत्मनिर्भर अवसरो की सम्भावना की तलास

डॉ0 मनोज सिंह बाफिला
इतिहास विभाग
डी0 एस0 बी0 परिसर कु0 वि0 नैनीताल
मो0– 7579136233
मेल– bafilamanoj0@gmail.com

Dr. MANOJ BAFILA